Nai Dunia (Indore), 19th January 2024, Nai Dunia City, Page – IV

तकनीक में नवाचार करने से खेती में आने वाली चुनौतियों से निपटना आसान

कृषि के क्षेत्र में आने वाली चुनौतियों के समाधान के लिए भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आइआइटी) इंदौर में तीन दिवसीय कृषि उद्यमिता विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम गुरुवार से जयपुर के चौधरी चरण सिंह राष्ट्रीय कृषि विपणन संस्थान के सहयोग से शुरू किया गया। इसमें कृषि संबंधित चुनौतियों का समाधान करने के लिए प्रौद्योगिकी, उद्यमिता और कृषि को लेकर विभिन्न क्षेत्रों के प्रतिभागियों ने अपने विचार साझा किए। इन चुनौतियों में मौसम की भविष्यवाणी में अनिश्चितता, भूमि संबंधी बाधाएं, फसल उपज प्रबंधन, आपूर्ति शृंखला और आधुनिक प्रौद्योगिकियों की आवश्यकता शामिल है। इस कार्यक्रम में देशभर से प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया है।

इस अवसर पर आइआइटी इंदौर के निदेशक प्रो. सुहास जोशी ने कहा कि भारत के आर्थिक और सामाजिक स्तर में कृषि का महत्व सभी जानते हैं और देश की जीडीपी में इसका महत्वपूर्ण योगदान है। इसी के चलते अब समय आ गया है कि हम तकनीकी नवाचारों के माध्यम से किसानों की वास्तविक समस्याओं का समाधान करें और उन्हें किफायती दरों पर मशीनें उपलब्ध करवाएं। हमें किसानों और समाज के लाभ के लिए सस्टेनेबल बिजनेस माडल पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। इस कार्यक्रम के माध्यम से, हमारा लक्ष्य प्रतिभागियों को आधुनिक कृषि पद्धतियों और उद्यमिता में ज्ञान और खास जानकारी के साथ सशक्त बनाना है। इस दौरान हेक्सजेन के सीईओ जपप्रीत सेठी ने भारत में कृषि-तकनीक क्षेत्र की क्षमता, किसानों के सामने आने वाली चुनौतियों जैसे नकली बीज, मिट्टी की गुणवत्ता में गिरावट और पानी की कमी जैसे विषयों पर जोर दिया। इस कार्यक्रम में कृषि-तकनीक की अप्रयुक्त क्षमता, बौद्धिक संपदा अधिकार और प्रबंधन का विवरण, छोटे किसानों के लिए उद्यमशीलता, भारत के बाजारों की समझ, कृषि नवाचार और मिट्टी के स्वास्थ्य के लिए जैविक इनपुट पर सत्र शामिल होंगे। साथ ही कार्यक्रम में भारतीय सोयाबीन अनुसंधान संस्थान (आइसीएआर) का क्षेत्रीय दौरा भी शामिल है। इस अवसर पर प्रो. मनीष कुमार गोयल, प्रो. मयूर जैन और पूरे भारत से आए हुए प्रतिभागी उपस्थित रहे।

आइआइटी इंदौर में कृषि उद्यमिता विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम में देशभर से आए प्रतिभागी । v सौ. संस्थान